अजयमेरू कीर्ति

अंचल कार्यालय अजमेर की वार्षिक पत्रिका

वर्ष: 2023-24

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, अजमेर

यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)
सम्मान आपके विश्वास का
Honours Your Trust

अश्वनी कुमार
प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रिय यूकोजन,

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं !

हिंदी संपूर्ण देश को एकता के सूत्र में पिरोनेवाली और देश की सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। अपनी सरलता, वैज्ञानिकता, बोधगम्यता और जीवंतता के कारण यह लोकप्रिय भाषा है। साथ ही एक संपर्क भाषा की भूमिका निभाते हुए यह हमारे विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बांधती भी है।

सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक होने के नाते अपने रोज़मर्रा के कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रयोग और राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन का दायित्व हम सब का है। चूँकि यह भाषा हमारी भाषिक संस्कृति से पूरी तरह जुड़ी हुई है, अतः हिंदी में मूल कार्य करना बहुत ही आसान है। आप जानते हैं कि हमारा सीधा संबंध जनता से है और हम अपने ग्राहकों का सम्मान करते हुए अपने कारोबार में बने हुए हैं। ग्राहकों से जुड़ाव में भाषा का बहुत महत्व है। इसलिए हमें अपने कारोबार में भाषिक सौहार्द का प्रदर्शन करते हुए हिंदी के साथ-साथ अन्य प्रादेशिक भाषाओं को भी साथ लेकर चलना चाहिए।

मुझे प्रसन्नता है कि आप सभी के निष्ठावान प्रयास एवं परिश्रम से बैंक ने लगातार तीसरी बार भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले सर्वोच्च पुरस्कार 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार'- तृतीय प्राप्त कर हैट्रिक लगाई है। बैंक के सभी कार्मिक इसके लिए बधाई के पात्र हैं।

किसी लक्ष्य को प्राप्त कर लेना महत्वपूर्ण तो होता है लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण होता है उसे बनाए रखना। आप सभी यूकोजनों में अद्भुत ऊर्जा, उत्साह और क्षमता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी बैंक की लाभप्रदता को निरंतर आगे बढ़ाते हुए बैंकिंग के साथ-साथ राजभाषा को भी सर्वोत्कृष्ट स्तर पर बनाए रखेंगे जिसकी गूंज आने वाले समय में भी गुंजायमान रहेगी।

आइए, आज हिंदी दिवस के अवसर पर यह संकल्प लें कि हम बैंकिंग कारोबार के साथ-साथ राजभाषा के लक्ष्यों को भी प्राप्त करते हुए शिखर पर अपना परचम सदैव फहराए रखेंगे।

पुनः हिंदी दिवस की ढेरों शुभकामनाओं सहित,

(अश्वनी कुमार)

कोलकाता, 14 सितंबर, 2023

** संरक्षक **
श्री महेश ह मौंदेकर
अंचल प्रमुख, अजमेर

** मार्गदर्शन **
श्री दुली चन्द रेगर
उप अंचल प्रमुख, अजमेर

** प्रेरणा **
सुश्री अनीता रानी
मुख्य प्रबंधक
श्री जयप्रकाश झाझड़िया
मुख्य प्रबंधक
श्री राजेंद्र कुमार सैनी
मुख्य प्रबंधक

** विशेष सहयोग **
श्री नारायणलाल भाटी
मुख्य प्रबंधक
श्रीमती कृष्णा राठौड़
मुख्य प्रबंधक

** संपादन एवं रुपांकन **
श्री जितेंद्र कुमार कुंदरेशा
प्रबंधक (राजभाषा)

** संपादक मंडल **
श्री नितिन माहेश्वरी, वरिष्ठ प्रबंधक, वसूली विभाग
श्री विनित जैन, वरिष्ठ प्रबंधक, ऋण विभाग
श्री अमित कुमार, वरिष्ठ प्रबंधक कार्यनीति और आयोजना विभाग

---------- पत्र व्यवहार ----------

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, अजमेर
प्लॉट न. सी-113 & सी-114, बी के कौल नगर, अजमेर (राज.) – 305001
फोन नं. – 0145-2622660, ई मेंल – zo.ajmer@ucobank.co.in

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

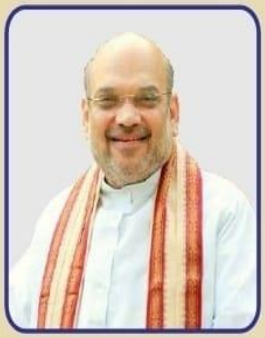

प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण भी किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्च, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।

नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

(अमित शाह)

** विषय सूची **

क्र.सं.	शीर्षक
1.	अंचल प्रबन्धक का संदेश
2.	उप अंचल प्रबन्धक का मार्गदर्शन
3.	महिला जागृति मंच, अजमेर में वित्तीय साक्षरता सत्र का आयोजन
4.	विशाल जन सुरक्षा शिविर
5.	योग दिवस का आयोजन
6.	स्वतंत्रता दिवस का आयोजन
7.	भाषा सौहार्द स्वरूप – हिंदी दिवस का आयोजन
8.	विशाल स्वयं सहायता समूह ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन
9.	बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अजमेर की अर्द्धवार्षिक बैठक
10.	गौरवपूर्ण पल- नराकास का प्रथम पुरस्कार
11.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 का आयोजन
12.	यूको बैंक का 82 वां स्थापना दिवस
13.	अंचल कार्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन
14.	आलेख- हिंदी: एक पहचान
15.	आलेख- ऋण निगरानी: एक आवश्यक मानक
16.	आलेख - बैंकिंग और साइबर सुरक्षा
17.	कविता- जिंदगी
18.	आलेख- डिजिटल इंडिया
19.	आलेख- भ्रष्टाचार को ना कहो
20.	एक परिचय- महाकवि कन्हैयालाल सेठिया
21.	भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित बैंकिग-शब्दावली
22.	राजभाषा नीति संबंधी महत्वपूर्ण निदेशः संक्षेप में
23.	हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2024-25 का वार्षिक कार्यक्रम
24.	सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली शाखाएं एवं लक्ष्यों की प्राप्ति वर्ष 2023-24 में

आप सभी प्रबुद्ध पाठकों से विनम्र अनुरोध हैं की पत्रिका के इस अंक के बारे में अपनी प्रतिक्रियाएं एवं बहुमूल्य सुझाव दें जिससे आगामी अंक को और अधिक रोचक, ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं आकर्षक बनाया जा सके। साथ ही अनुरोध हैं की बैंकिंग और बीमा क्षेत्र की सूचनाएं/ज्ञानवर्धक आलेख, अपनी सृजनात्मक रचनाएं, रोचक जानकारियां आदि प्रकाशनार्थ हमें भेजें और इस पत्रिका को उपयोगी बनाने में हमारा सहयोग करे। आप अपने लेख, कविता, गीत, आदि भी भेज सकते हैं। चयनित प्रविष्ठियों को नाम सहित प्रकाशित किया जायेगा। किसी भी प्रविष्ठी के चयनित होने या न होने के अंतिम निर्णय का अधिकार संपादक मंडल के पास सुरक्षित रहेगा। इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं की मौलिकता एवं किसी अन्य विवाद के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

अंचल प्रमुख का संदेश

प्रिय अजमेर यूकोजन,

यह बहुत प्रसन्नता का विषय है कि यूको बैंक अंचल कार्यालय अजमेर के तत्वाधान में राजभाषा विभाग अजमेर द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 की वार्षिक पत्रिका "अजयमेरु कीर्ति" का प्रकाशन किया जा रहा है।

भाषा मनुष्य के भावों एवं विचारों को व्यक्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है और यही कारण है कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास की मूल प्रेरक शक्ति के रूप में भाषा का अपना प्रभाव है। भाषा का उत्तरोतर विकास एवं उत्कृष्टता कि ओर अग्रसर होना मानव सभ्यता के क्रमिक विकास को दर्शाता है और यही विकास समाज को संस्कृति के रूप में पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाता है। भारत के संदर्भ में हिंदी भाषा ने संस्कृति के विकास और विस्तार में अभूतपूर्व भूमिका का निर्वहन किया है। यही कारण है कि विश्व के अनेक देश आज भारतीय संस्कृति और भाषा के प्रति आदर भाव रखते हैं। विगत कुछ वर्षों में केन्द्रीय और राज्यों की सरकारों ने राजभाषा को बढ़ावा देने के लिये उल्लेखनीय कार्य किये हैं। नवीन शिक्षा नीति-2020 द्वारा मातृभाषा में शिक्षा की व्यवस्था से अपनी भाषा में चिंतन को बढ़ावा मिला है जो राष्ट्र के विकास में अमूल्य योगदान दे सकेगा। यूको बैंक के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा हिंदी के विकास क्रम को आगे बढ़ातें हुए अनेक कार्य किये जा रहे हैं और समय-समय पर हिंदी भाषा से जुड़े कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित करवा कर राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि राजभाषा की हमारी पत्रिका "अजयमेरू कीर्ति" इसी प्रकार अपने उदेश्यों को प्राप्त करती रहेगी और राजभाषा हिंदी के संवर्धन की दिशा में गतिशील रहेगी। इन्हीं सब के साथ आपको यूको बैंक अंचल कार्यालय अजमेर कि ओर से नव वित्तीय वर्ष 2024-25 कि हार्दिक शुभकामनाएं ।

महेश मौंदेकर

महेश ह. मौंदेकर
अंचल प्रबंधक

उप अंचल प्रमुख का मार्गदर्शन

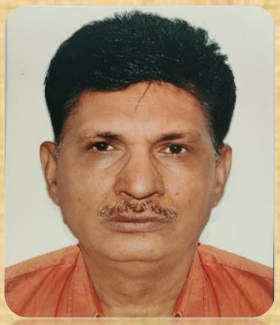

यह बहुत हर्ष और गर्व की बात है की अंचल कार्यालय अजमेर के राजभाषा विभाग के द्वारा हर वित्तीय वर्ष की भांति वित्तीय वर्ष **2023-24** की वार्षिक पत्रिका "अजयमेरु कीर्ति" का प्रकाशन किया जा रहा है।

वास्तव में हिंदी पूरे भारत में सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली भाषा है, इसलिए शिक्षण अध्यापन और अध्ययन के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में भी कार्य कर रही है। देखा जाए तो सरकारी बैंकों और विभागों में ज़्यादातर ग्राहक और जनता ग्रामीण परिवेश से आते हैं और उनका कार्य हिंदी भाषा के बिना पूर्ण नही हो सकता है, क्योकि हिंदी भाषा उनकी मातृ भाषा है। यह इस बात का द्योतक है कि आने वाले समय में देश में हिंदी भाषा की प्रासंगिकता कितनी है। इस पत्रिका के माध्यम से हम सभी को ये संदेश देना चाहते है कि हमें हिंदी भाषा के महत्व को समझना होगा और दैनिक जीवन में उपयोग में लाना होगा।

इन्हीं सब के साथ आपको यूको बैंक अंचल कार्यालय अजमेर की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 की हार्दिक शुभकामनाएं ।

दुली चन्द रेगर
उप अंचल प्रमुख

यूको बैंक अजमेर अंचल द्वारा महिला जागृति मंच, अजमेर के शिविर में वित्तीय साक्षरता संबंधी सत्र

महिला जागृति मंच, अजमेर द्वारा दिनांक 17.06.2023 को पंचशील नगर स्थित सामुदायिक केंद्र में चलाई जा रही बहुउद्देशीय कार्यशाला के पांचवे दिन यूको बैंक अजमेर अंचल कार्यालय द्वारा वित्तीय साक्षरता एवं जागरूकता संबंधी सत्र लिया गया। सत्र के दौरान सुश्री नम्रता सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक यूको बैंक अजमेर एवं सुश्री प्रियंका निचानी, प्रबंधक, यूको बैंक अजमेर द्वारा ग्राहकों को बैंक में बचत खाता खोलने से लेकर सुकन्या समृद्धि योजना, एम बैंकिंग, ई बैंकिंग आदि के लाभों से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर महिलाओं के लिए खेलों का आयोजन भी किया गया एवं विजयी प्रतिभागियों को यूको बैंक की ओर से पुरस्कृत भी किया गया।

विशाल जन सुरक्षा शिविर - दिनांक 17.06.2023

दिनांक 17.06.2023 को अजमेर अंचल द्वारा मेड़ता सिटी में मेड़ता सिटी एवं समीपवर्ती शाखाओं द्वारा सामूहिक रूप से विशाल जन सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में विशेष रूप से श्री पी.के.जैन महाप्रबंधक, सामान्य प्रशासन विभाग, यूको बैंक, प्रधान कार्यालय, कोलकाता ने भाग लिया साथ ही श्री महेश ह. मौंदेकर अंचल प्रमुख, यूको बैंक, अंचल कार्यालय अजमेर श्री कमल शर्मा उप अंचल प्रमुख, अंचल कार्यालय अजमेर एवं संबंधित शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।इस अवसर पर लगभग 400 लोगों द्वारा भाग लिया गया।

संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री पी.के.जैन ने सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न योजनाओं जैसे सोशल सिक्योरिटी स्कीम, पी.एम.जे.जे.वाई, पी.एम.एस.बी.वाई एवं ए.पी.वाई आदि के बारे में चर्चा की साथ ही जन समुदाय से अपील की, कि वे इन योजनाओं से जुड़कर इनका लाभ उठाएं व अधिकाधिक लोगों को इन योजनाओं की सुविधाओं व उससे होने वाले लाभ आदि के बारे में जानकारी प्रदान करें।

इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा अपने द्वारा निर्मित उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया।

विभिन्न व्यावसायिक प्रतिनिधियों (Business correspondent) द्वारा भी इस अवसर पर माइक्रो एटीएम मशीन के साथ भिन्न प्रकार की बैंकिंग सेवाएं प्रदान की गईं।

दैनिक भास्कर

अजमेर 22-06-2023

यूको बैंक : ध्यान योग पर परिचर्चा की

यूको बैंक अंचल कार्यालय की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शिविर लगाया गया। कार्यालय सभागार में शिविर का उद्घाटन अंचल प्रबंधक महेश मौंदेकर ने किया। इस शिविर का लाभ निसंदेह सभी स्टाफ सदस्यों ने प्राप्त किया। मेडिटेशन केंद्र से आए प्रतिनिधियों ने ध्यान योग के विषय मे परिचर्चा की।

दिनांक 21.06.2023 को यूको बैंक अंचल कार्यालय, अजमेर द्वारा अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ध्यान योग (मेंडिटिएशन) शिविर का आयोजन किया गया। यूको बैंक अंचल कार्यालय, अजमेर के सभागार में सायं 5.00 बजे से उक्त शिविर का उद्घाटन अंचल प्रबंधक श्री महेश मौंदेकर द्वारा किया गया। उक्त शिविर हेतु हार्टफुलनेस मेंडिटिएशन सेंटर के अजमेर केंद्र से श्री नितेंद्र उपाध्याय एवं सिस्टर अमिन्दर मैक को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया । अंचल प्रबंधक श्री महेश मौंदेकर द्वारा बताया गया कि आज के समय में इतनी व्यस्त जीवन शैली एवं विभिन्न प्रकारों की चुनौतियों का सामना करने के लिए ध्यान योग अत्यंत उपयोगी है और आज के इस शिविर का लाभ निसंदेह सभी स्टाफ सदस्यों को प्राप्त होगा।

मेंडिटेशन केंद्र से आए प्रतिनिधियों द्वारा ध्यान योग के विषय में विस्तार पूर्वक परिचर्चा करते हुए इसकी महत्ता, इसके लाभ एवं आज के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इसकी उपयोगिता व अनिवार्यता के बारे में प्रकाश डाला एवं ध्यान योग संबंधी जानकारी, प्रक्रिया आदि की जानकारी भी प्रदान की गई।

अंचल कार्यालय अजमेर - आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

आज़ादी की 77 वी वर्षगांठ पर अंचल प्रमुख श्री महेश ह. मोदेकर ने सभी को सम्बोधित करते हुये कहा कि हम सभी एक ऐसी संस्था में कार्य कर रहे हैं जहॉ से हम देश के उस गरीब तबके को बैंकिंग नियमों में रहते हुये उनकी सहायता कि जा सकती हैं। इस अवसर पर श्री कमल शर्मा उप अंचल प्रमुख द्वारा सभी को शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने अनुरोध व्यक्त करते हुए कहा कि इस महापर्व से सभी जुड़ें और इस महोत्सव को सार्थक करें। सेवानिवृत पूर्व अंचल प्रमुख श्री उमेश कुमार गर्ग ने भी स्वतंत्रता दिवस कि शुभकामनाएं दी और सभी से आग्रह किया कि हमारे द्वारा बैंक में किया गया हर एक कार्य देश कि उन्नति और प्रगति में सहायक होगा ।

हमने बहुत प्रगति कर ली है, किंतु हम अभी भी विकासशील के पथ पर ही हैं विकसित होने के लिए हमें एकजुट होना होगा और सबसे पहले तो अपने स्वदेश के प्रति वही प्यार और एहसास जगाना होगा जो पहले था।

अजमेर अंचल कार्यालय व शाखाओं के विभिन्न स्टाफ सदस्यों द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए साथ ही इस अवसर पर रचनात्मक गतिविधियों जैसे गीत व काव्य प्रस्तुतियां भी स्टाफ द्वारा दी गई। एक नई पहल करते हुए सेवानिवृत सदस्यों को भी इस समारोह से जोड़ा गया उन्होंने इस अवसर पर हर्ष व आभार व्यक्त करते हुए अपने भावों की सुंदर अभिव्यक्ति दी।

भारतीय भाषा सौहार्द स्वरूप, हिंदी दिवस का आयोजन

दिनांक 14.09.2023 को यूको बैंक अंचल कार्यालय, अजमेर द्वारा अंचल कार्यालय अजमेर के खाइलैण्ड मार्केट, आगरा रोड स्थित सभागार में भारतीय भाषा सौहार्द स्वरूप – हिंदी सप्ताह का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर अंचल प्रमुख श्री महेश ह. मौदेकर ने सभी सदस्यों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं सहित आग्रह किया की हम सब को मिलकर हिंदी में अधिकाधिक कार्य करके भारत सरकार के लक्ष्यों को प्राप्त करना हैं, ताकि जन-जन तक बैंकिंग सेवाएं पहुँच सके। हिंदी पखवाड़े में अंचल कार्यालय स्तर और क्षेत्राधिकार की सभी शाखाओं में विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हिंदी हमारी भाषा हैं, हिंदी हमारी भाषा हैं,

हिंदी हमारा गौरव हैं,

हिंदी हमारी शान हैं,

हिंदी हमारी संस्कृति हैं,

हिंदी हमारा यश हैं,

इस पर हमें अभिमान हैं,

हिंदी हमारी भाषा हैं, हिंदी हमारी भाषा हैं।

यूको बैंक
UCO BANK

यूको बैंक
UCO BANK

विशाल स्वयं सहायता समूह ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन

स्वयं सहायता समूह को 1.80 करोड़ के ऋण किए वितरण

हरसौर @ समाचार अपनादेश.

शुक्रवार को कस्बे के आईटी केंद्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत यूको बैंक की ओर से ऋण वितरित कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रधान जसवंत सिंह थाटा एवं उप अंचल प्रमुख अनिता रानी ने 30 स्वयं सहायता समूहों को 1.80 करोड़ के ऋण वितरित किए। इस मौके पर प्रधान थाटा ने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाओं का आत्मनिर्भर होना जरूरी है। एक औरत सफल होती है तो वह परिवार, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में योगदान देती हैं। अनिता रानी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह एक समृद्ध राजस्थान बनने की दिशा में कदम है। सरकार द्वारा लागू की योजनाओं का धरातल पर संचालन समूह के माध्यम से ही संभव है। जीवन सुरक्षा एवं ज्योति जीवन के माध्यम से आमजन लाभ उठाएं। ज्यादा से ज्यादा समूह बनाकर महिलाएं सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। मंच संचालन विजय सिंह लुनियास ने किया।ये रहे मौजूद-कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक राजेंद्र सैनी, अग्रणी बैंक प्रबंधक जीवन ज्योति, वरिष्ठ प्रबंधक दिलीप कुमार, शाखा प्रबंधक शैलेन्द्र प्रसाद, राजीविका के कपिल जांगिड़, कलस्टर प्रभारी रेणु राठौड़, मधु कंवर, देवाराम ग्वाला, रामदेव प्रजापत, विशाखा राठौड़ सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं बने आत्मनिर्भर-थाटा

स्मार्ट हलचल/ हरसौर

शुक्रवार को कस्बे के आईटी केंद्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत यूको बैंक की ओर से ऋण वितरित कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रधान जसवंत सिंह थाटा एवं उप अंचल प्रमुख अनिता रानी ने 30 स्वयं सहायता समूहों को 1.80 करोड़ के ऋण वितरित किए। इस मौके पर प्रधान थाटा ने कहा कि हर क्षेत्र में महिलाओं का आत्मनिर्भर होना जरूरी है। एक औरत सफल होती है तो वह परिवार, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति में योगदान देती हैं। अनिता रानी ने कहा कि स्वयं सहायता समूह एक समृद्ध राजस्थान बनने की दिशा में कदम है। सरकार द्वारा लागू की योजनाओं का धरातल पर संचालन समूह के माध्यम से ही संभव है। जीवन सुरक्षा एवं ज्योति जीवन के माध्यम से आमजन लाभ उठाएं। ज्यादा से ज्यादा समूह बनाकर महिलाएं सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। मंच संचालन विजय सिंह लुनियास ने किया।

ये रहे मौजूद-कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक राजेंद्र सैनी, अग्रणी बैंक प्रबंधक जीवन ज्योति, वरिष्ठ प्रबंधक दिलीप कुमार, शाखा प्रबंधक शैलेन्द्र प्रसाद, राजीविका के कपिल जागिड़, कलस्टर प्रभारी रेणु राठौड़, मधु कंवर, देवाराम ग्वाला, रामदेव प्रजापत, विशाखा राठौड़ सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अजमेर की अर्द्धवार्षिक बैठक

बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अजमेर की अर्द्धवार्षिक बैठक दिनांक 08.11.2023 को सायं 05.00 बजे अजमेर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री महेश ह. मौंदेकर, अध्यक्ष बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, अजमेर एवं अंचल प्रबंधक यूको बैंक अंचल कार्यालय, अजमेर द्वारा की गई। विशेष रूप से श्री नरेंद्र सिंह मेहरा, सहायक निदेशक राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, उत्तरी क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय – 1, दिल्ली उपस्थित रहे। बैठक में सदस्य बैंकों एवं बीमा कंपनियों के कार्यपालक गण एवं सदस्य गणों द्वारा भाग लिया गया।

अध्यक्ष श्री महेश ह. मौदेकर ने बताया कि हमारे क्षेत्र के कार्यालय राजभाषा के 'क' क्षेत्र में आते हैं और हमें शत-प्रतिशत कार्य हिंदी में करना है और राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्यों को अर्जित करना है। बैठक में नराकास सचिव जितेन्द्र कुमार कुंदरेशा ने समिति की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में चर्चा की और बताया कि वर्ष 2021-22 का नराकास के उत्तरी क्षेत्र का प्रथम पुरस्कार हमारे बैंक नराकास अजमेर को मिला है इसके लिए सभी कार्यपालक गणों का धन्यवाद और आभार प्रकट किया और उनसे आगे इसी प्रकार के सहयोग और भागीदारी की अपेक्षा की। बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यपालक श्री जनक लाल मीणा ने नराकास द्वारा हिन्दी के क्षेत्र मे किए जा रहे कार्यो की प्रशंसा की और उन्होने सभी कार्यपालकगणों और राजभाषा अधिकारियों से हिन्दी मे कार्य के शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने की अपील की। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कार्यपालक श्री सिकंदर आजम अजमेर ने नराकास के प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान कीं। उन्होंने बताया कि हमारे बैंक में राजभाषा की स्थिति बेहतर है नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री रामधन डडवारिया राजभाषा अधिकारी भारतीय जीवन बीमा निगम और सुश्री मनीषा पांडे राजभाषा अधिकारी बैंक ऑफ बड़ौदा ने राजभाषा के नियम और तकनीकी पर पावरपॉइंट प्रस्तुतिकरण देकर सभी को हिंदी के प्रयोग के बारे में महत्वपूर्ण ज्ञानवर्धक जानकारी दी। इस अवसर पर सहायक निदेशक महोदय द्वारा सभी सदस्य बैंको व बीमा कंपनियों के राजभाषा संबन्धी कार्यान्वयन की विस्तार और छ:माही रिपोर्ट की समीक्षा की गई तथा खुशी व्यक्त की कि सभी कार्यालयों के द्वारा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है जो प्रशंसनीय हैं। श्री मेहरा ने बैंक नराकास, अजमेर के श्रेष्ठ कार्य निष्पादन की सराहा की साथ ही वर्ष 2021-22 का राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा "क" क्षेत्र का प्रथम पुरस्कार बैंक नराकास अजमेर को प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई दी ।

हिन्दी पखवाड़े पर नराकास के तत्वाधान में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया। अन्य कार्यपालक गण एवं सदस्यों द्वारा भी अपने सुझाव एवं विचार व्यक्त किए गए।

जन जन की भाषा हैं

" हिन्दी "

“ गौरवपूर्ण पल ”

अंचल कार्यालय अजमेर, बैंक नराकास अजमेर का संयोजक हैं, और वर्तमान में इसके कुल 19 सदस्य कार्यालय हैं। 28.12.2023 को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (राज.) के श्री ज्ञान चंद घोष लेक्चर हॉल में उत्तरी क्षेत्र 1 एवं 2 हेतु संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल राजस्थान श्री कलराज मिश्र उपस्थित रहे। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए उत्तरी क्षेत्र-1 के अंतर्गत बैंक नराकास अजमेर को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंचल कार्यालय अजमेर की और से मुख्य प्रबन्धक श्री राजेंद्र कुमार सैनी ने शील्ड पुरस्कार ग्रहण किया और वरिष्ठ प्रबन्धक सुश्री नम्रता सिंह ने प्रशस्ति पत्र ग्रहण किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 का आयोजन

"भ्रष्टाचार का विरोध करें; राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें।"

दैनिक भास्कर
अजमेर 02-11-2023

मार्केट अपडेट

यूको बैंकः सतर्कता सप्ताह में वाहन रैली निकाली

अजमेर। यूको बैंक अजमेर अंचल कार्यालय की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत वाहन रैली और वॉकथन का आयोजन किया तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। रैली का आयोजन बजरंगगढ़ मंदिर से आना सागर झील तक किया गया। इस आयोजन में अंचल कार्यालय की ओर से विभिन्न गतिविधियों के साथ सतर्कता जागरूकता वॉकेथन का आयोजन भी किया। यूको बैंक अंचल कार्यालय अजमेर, पुरानी मंडी अजमेर शाखा, स्टेशन रोड शाखा व अन्य स्थानीय शाखाओं के स्टाफ सदस्यों ने इस वाहन रैली और वॉकिथन में भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से महेश ह. मौंदेकर अंचल प्रमुख, अनीता रानी उप अंचल प्रमुख व अन्य कार्यपालक और अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सतर्कता जागरूकता से संबंधित बैनर व स्टैंडी के प्रदर्शन के साथ समस्त स्टाफ ने वाहन रैली निकाली। इस दौरान भ्रष्टाचार के प्रति सतर्कता व जागरूकता संबंधी पेम्प्लेट का वितरित किए। इस अवसर पर अंचल प्रमुख महेश ह. मौंदेकर ने अंचल और शाखा कार्यालय से सम्मिलित सदस्यों से भ्रष्टाचार के प्रति सतर्कता जागरूकता बरतने की अपील की है। उप अंचल प्रमुख अनीता रानी ने आग्रह किया कि वे अपने अन्य साथियों को भी जागरूक करें कि वे भ्रष्टाचार के प्रति सतर्क व सचेत रहकर बैंक को और देश

यूको बैंक द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह में वाहन रैली और वॉकथन का आयोजन

उदयपुर (पुकार)। यूको बैंक मुख्य शाखा उदयपुर और अंबामाता शाखा उदयपुर द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत वॉकथन का रविवार को आयोजन किया गया तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया। वॉकथन का आयोजन फतेह सागर झील के पाल पर किया गया।

यूको बैंक मुख्य शाखा उदयपुर, अंबामाता शाखा उदयपुर एवं अन्य स्थानीय शाखाओं के स्टॉफ सदस्यों द्वारा उत्साहपूर्वक इस वॉकेथन में भाग लिया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेष रूप से अभिनव बुरड़ मुख्य प्रबन्धक उदयपुर मुख्य शाखा, आशीष बाहेती मुख्य प्रबन्धक अंबामाता शाखा, रोहित अजमेरा मुख्य प्रबन्धक खुदरा त्रष्टा केंद्र उदयपुर एवं अन्य शाखाओं के कार्यपालक गण एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सतर्कता जागरूकता से संबंधित बैनर व स्टैंडी के प्रदर्शन के साथ

समस्त स्टॉफ भ्रष्टाचार के प्रतिसतर्कता एवं जागरूकता संबंधी पेम्प्लेट आम जन में वितरित की गई और जागरूकता के बारे में संदेश दिया गया। मुख्य प्रबन्धक अभिनव बुरड़ ने स्थानीय लोगो को संदेश दिया की हमें ना तो भ्रष्टाचार करना हैं और ना ही किसी को भ्रष्टाचार करने देना हैं, ये हमारा कर्तव्य होना चाहिए।

इस अवसर पर अंबामाता शाखा उदयपुर के मुख्य प्रबन्धक आशीष बाहेती ने विशेष रूप से सभी शाखा कार्यालय से सम्मिलित हुए सदस्यों से भ्रष्टाचार के प्रतिसतर्कता जागरूकता बरतने की अपील की। भ्रष्टाचार मुक्त देश हमारे भारत शासन सरकार का उदेश्य हैं उसे हम सभी को मिल कर पूरा करना हैं। खुदरा त्रष्टा केंद्र उदयपुर के मुख्य प्रबन्धक रोहित अजमेरा ने सभी से आग्रह किया कि वे अपने अन्य साथियों को भी जागरूक करें कि वे भ्रष्टाचार के प्रतिसतर्क व सचेत रहकर यूको बैंक को और देश को अपनी श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करें।

यूको बैंक ने मनाया 82 वां स्थापना दिवस

दिनांक 06.01.2024 को यूको बैंक के 82 वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर अजमेर अंचल कार्यालय एवं समीपवर्ती शाखाओं के स्टाफ सदस्यों द्वारा अंचल कार्यालय अजमेर से लेकर पुरानी मंडी शाखा तक वॉकथन का आयोजन किया गया तथा इसी दौरान अंचल प्रमुख महोदय श्री महेश ह. मौदेकर, उप अंचल प्रमुख महोदया सुश्री अनीता रानी, मुख्य प्रबन्धक महोदय श्री जयप्रकाश झांझड़िया, श्री राजेंद्र कुमार सैनी और श्री नारायण लाल भाटी ने ग्राहकों से भेट भी की। सभी अजमेर यूकोजन व सेवानिवृत सदस्यों द्वारा उक्त वॉकथन में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया।

अजमेर अंचल के अन्य केंद्र जैसे कोटा, नागौर, उदयपुर आदि में भी विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी शाखाओं में विशेष साज सज्जा की गई और ग्राहकों को श्रेष्ठ सेवाएं देने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर अंचल प्रबंधक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक बैंकर को प्रोफेशनल होना चाहिए साथ ही समर्पित भी । एक अच्छे बैंकर की यही पहचान है कि वह पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं लगन से ग्राहक सेवा की भावना को सर्वोपरि रखकर कार्य करें ।

इस अवसर यूको बैंक अंचल कार्यालय और डीएवी शाखा मे स्वास्थ्य जांच सहित मित्तल अस्पताल के सहयोग से “रक्त दान शिविर” का आयोजन किया गया। इसी क्रम मे श्री नगर रोड शाखा, बासनी, उदयपुर मुख्य और केकड़ी शाखाओं में भी स्वास्थ्य जांच केंद्र लगाया गया। सुमेरपुर शाखा द्वारा भी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत रिद्धी सिद्धि सेवा संस्था को वॉटर कूलर प्रदान किया गया जिस से ग्राहक लाभान्वित हुए और बैंक का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंचल कार्यालय ने कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत मिनी मनु संस्थान द्वारा विशेष आवश्यकता वाले और विमन्दित बच्चों के लिए संचालित विद्यालय “अद्वित” में बच्चों को टेबल भेंट की और उन्हें शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर सभी शाखाओं में बैंक के संस्थापक श्री जी.डी. बिरला जी का माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई एवं अंचल प्रमुख महोदय श्री महेश ह. मौदेकर अजमेर अंचल कार्यालय के द्वारा सभी ग्राहकों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

उदयपुर क्षेत्र की शाखाओं ने मनाया स्थापना दिवस

06.01.2024 को यूको बैंक मुख्य शाखा उदयपुर और अंबामाता शाखा उदयपुर के द्वारा यूको बैंक के 82 वे स्थापना दिवस पर अंतर्गत वॉकथन का आयोजन सुबह 7.00 बजे से 8.00 बजे तक फतेह सागर झील के पाल पर किया गया। यूको बैंक मुख्य शाखा उदयपुर, अंबामाता शाखा उदयपुर एवं अन्य स्थानीय शाखाओं के स्टॉफ सदस्यों द्वारा उत्साहपूर्वक इस वॉकेथन में भाग लिया गया। उक्त कार्यक्रम में विशेष रूप से श्री अभिनव बुरड़, मुख्य प्रबन्धक उदयपुर मुख्य शाखा, श्री आशीष बाहेती, मुख्य प्रबन्धक अंबामाता शाखा, श्री रोहित अजमेरा मुख्य प्रबन्धक, खुदरा ऋण केंद्र उदयपुर एवं अन्य शाखाओं के कार्यपालक गण एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

यूको बैंक 82 वे स्थापना दिवस से संबंधित बैनर व स्टैंडी के प्रदर्शन के साथ समस्त स्टॉफ ने “बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ” के बारे में संदेश दिया गया। मुख्य प्रबन्धक श्री अभिनव बुरड़ ने स्थानीय लोगो को संदेश दिया की यूको बैंक ने बैंकिंग क्षेत्र में 81 वर्ष की गौरवशाली यात्रा पूर्ण की हैं और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में हर तबके और देश के आर्थिक विकास में योगदान दिया हैं और आगे भी पूरी दृढ़निश्चता से देते रहेंगे।

इस अवसर पर उदयपुर मुख्य शाखा के द्वारा शाखा परिसर में नि:शुल्क आखों की और स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया गया तथा “आश्रय” अनाथ आश्रम में कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी के तहत बैंक के द्वारा आवशयक वस्तुएं भेंट की गई।

अंचल कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

यूको बैंक अंचल कार्यालय अजमेर द्वारा दिनांक 08.03.2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अंचल कार्यालय सभागार में सायं 5.30 बजे से समारोह का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में डा. ज्योति गजरानी, विभागाध्यक्ष कम्प्युटर साइंस एंड इंजीनीयरिंग, राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अजमेर को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर अंचल कार्यालय अजमेर, अजमेर शहर स्थित एवं अजमेर शहर की नजदीकी शाखाओं से सभी महिला स्टाफ सदस्यों को आमंत्रित किया गया। विशेष रूप से सेवानिवृत महिला बैंककर्मी एवं सेवानिवृत स्टाफ सदस्यों के परिवार की महिला सदस्यों को इस अवसर पर आमंत्रित किया गया।

श्री महेश ह. मौदेकर, अंचल प्रमुख अजमेर ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि कि आज की नारी हर क्षेत्र में अग्रणी है और जीवन के हर क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है। श्री मौदेकर ने बताया कि प्रधान कार्यालय द्वारा वर्तमान में रिटेल एवं एमएसएमई इकाइयों के लिए विभिन्न कैंपेन चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में महिला दिवस के अवसर पर यूको बैंक के अजमेर अंचल की विभिन्न शाखाओं द्वारा महिला उद्यमियों को सम्मनित किया गया और महिला उद्यमियों को ऋण भी वितरित किए गए। इस अवसर पर विभिन्न शाखा परिसर में महिला उद्यमियों व महिला ग्राहकों हेतु विशेष रूप से सेल्फी प्वाइंट भी लगाए गए।

मुख्य अतिथि डा. ज्योति गजरानी जी द्वारा अपने मार्गदर्शी संबोधन में महिला विकास व समसामयिक काल में महिलाओं की स्थिति, प्रगति पर अत्यंत सारगर्भित व रूचिपूर्ण उद्बोधन दिया गया। अंत में श्री राजेंद्र कुमार सैनी, मुख्य प्रबंधक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

"मैं एक समुदाय की प्रगति को उस प्रगति की डिग्री से मापता हूं जो महिलायों ने हासिल की हैं।"

– डॉ. भीमराव अंबेडकर

हिंदी: एक पहचान

जय प्रकाश झाझड़िया
मुख्य प्रबन्धक
अंचल कार्यालय, अजमेर

किसी भी देश की पहचान उस देश की भाषा और संस्कृति से होती है, जिसकी छांव में उस देश के लोग पले बढ़े होते हैं। संस्कृतियां और भाषाएं दोनों एक-दूसरे की वाहक होती हैं। इनके बिना मनुष्य जीवन अधूरा है। एक संस्कृति, एक देश और एकता की परिकल्पना भाषा ही हमें सिखाती है। हिंदी हमारे इतिहास, समाज, जीवन मूल्यों, संस्कृति, संस्कारों से जुड़ी धरोहर की सच्ची संवाहक, संप्रेषक एवं परिचायक है। यह राष्ट्रीय अस्मिता का भारतीय साहित्य एवं संस्कृति को वैश्विक स्तर प्रचारित पर एवं प्रसारित करने में अतुलनीय योगदान दिया है और निरंतर इस दिशा में प्रयत्नशील है। हमें विकास के पथ पर हिंदी के साथ आगे बढ़ना है। हिंदी के संवर्धन में ही भारतीय कला, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा की महत्ता निहित है। हिंदी भाषा के बिना भारत और भारतीयता अधूरी है। 'ह' से हिंदी और 'ह' से ही 'हिंदुस्तान' तभी तो हमारे देश के महान मशहूर शायर इकबाल ने लिखा है, 'हिंदी हैं हम वतन हैं हिन्दोस्तां हमारा।"

आज वैश्विक स्तर पर यह सिद्ध हो चुका है कि हिंदी भाषा अपनी लिपि एवं उच्चारण की दृष्टि से सबसे शुद्ध और विज्ञान सम्मत भाषा है। वैश्वीकरण के दौर में हिंदी जन भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा और वैश्विक भाषा के रूप में अग्रसर है। नेताओं, अभिनेताओं, व्यापारियों और उद्योगपतियों का एक बड़ा तबका, जो कल तक हिंदी से परहेज करता था, आज उसकी तरफ उन्मुख है। इसी कारण भाषाओं के विलुप्तीकरण के दौर में हिंदी न केवल अपने को बचाने में सफल रही है, बल्कि इसका उपयोग-अनुप्रयोग निरंतर बढ़ता रहा। हिंदी बहती नदी के समान है, उसे किसी भी तरह का बंधन या मानक रोक नहीं सकता है।

आज भारत से बाहर विश्व परिदृश्य में हिंदी विकसित होती प्रतीत हो रही है। कभी लोग विदेश में जाकर हिंदी बोलने से हिचकिचाते थे, लेकिन अब स्थिति काफी बदल चुकी है। अब हिंदी जानना-समझना भारत से बाहर भी एक व्यावसायिक आवश्यकता बनती जा रही है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी की विश्व पटल पर बहुआयामी प्रासंगिकता है। उसे बोलने और समझने में किसी को परेशानी नहीं होती है। दुनियाभर के लोग हिंदी की स्वाभाविकता, सरलता, सद्भावना और हृदयस्पर्शी विश्व मानव की एकता की भावनात्मक संस्कृति से प्रभावित हैं। हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता दुनिया भर में हमें सम्मान दिलाती है। यह हमारे सम्मान, स्वाभिमान और गर्व की भाषा है। हर मुश्किल में नमस्ते, वसुधैव कुटुंबकम व स्वागतम की संस्कृति भारत की रही है। लक्ष्मीमल सिंघवी ने कहा कि 'हिंदी विश्व के कोटि-कोटि जन गण का कंठ स्वर है उनकी पहचान है, अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सेतु है।" हिंदी किसी भी भाषा के शब्दों को बिना किसी भेदभाव के अपना लेती है। इसी समावेशिता के कारण हिंदी वैश्विक परिदृश्य में अपनी जगह बना रही है। हिंदी भारत में सर्वाधिक 65 फीसदी लोगों द्वारा बोली व समझी जाती है और पूरी दुनिया में हिंदी भाषियों की संख्या करीब सौ करोड़ है। इतना ही नहीं आज हिंदी न केवल विश्व के

करीब 175 देशों में बिना किसी संकोच के पढ़ी-लिखी और बोली जाती है वरन विश्व के लगभग 180 विश्वविद्यालयों, 75 छोटे-बड़े केन्द्रों में पढ़ी और पढ़ाई जा रही है। अमेरिका व मॉरीशस के कई विश्वविद्यालयों में पी.एच.डी. तक का शोध कार्य हिंदी में हो रहा है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने भी हिंदी में याचिका स्वीकार करना प्रारंभ किया है। देश के प्रतिष्ठित प्रोद्योगिकी संस्थानों आईआईटी, एनआईटी आदि में भी हिंदी सहित भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़ाई प्रारंभ हुई है। दिसंबर 2016 में विश्व आर्थिक मंच ने दस सर्वाधिक शक्तिशाली भाषाओं की जो सूची जारी की है, उसमें हिंदी भी एक है। बहादुरशाह जफर के नाम से एक शेर प्रसिद्ध है 'हिंदियों में बू रहेगी जब तलक ईमान की, तख्ते लंदन तक चलेगी तेग हिंदुस्तान की।

वर्तमान वैश्विक परिवेश में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा हिंदी के उन्नयन की ओर संकेत कर रही है। आज भारत ही नहीं विश्व के किसी भी कोने में जाएं तो हिंदी की लोकप्रियता स्वतः परिलक्षित हो जाएगी। यह कहने में कोई संशय नहीं होना चाहिए कि अब हिंदी की लोकप्रियता यूरोपीय महाद्वीप से लेकर अमेरिका तक एवं संपूर्ण दक्षिण-पूर्वी एशिया के सभी देशों में निरंतर बढ़ रही हैं। हिंदी अब पड़ोसी देशों में ही नहीं बल्कि सुदूर कैरेबियाई राष्ट्रों तक भी फैल चुकी है।

हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के दावे को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने 1975 से 'विश्व हिंदी सम्मेलन' मनाने की शुरुआत की थी। इस परंपरा को जारी रखते हुए भारत सरकार द्वारा विदेशों में भी विश्व हिन्दी सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की पहल पर राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के सहयोग से पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 से 14 जनवरी, 1975 तक नागपुर में आयोजित किया गया था । बाहरवां विश्व हिंदी सम्मेलन 10 से 17 फरवरी 2023 तक फिजी में आयजित किया गया था । तेहरवां विश्व हिंदी सम्मेलन 2 फरवरी 2024 से 9 फरवरी तक बाली (इंडोनेशिया) में आयोजित किया गया था।

भारतीय संस्कारों को पुष्पित-पल्लवित करने के लिए आवश्यक है कि हिंदी का प्रयोग हर स्तर पर बढ़े। हिंदी को भारत की शान बनाने और उच्च कोटि का दर्जा देने के लिए आमजन और सरकार को साथ मिलकर प्रयास करने होंगे। आमजन को भी अपनी मातृभाषा के साथ हिंदी का भी अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। हिंदी का प्रचार-प्रसार करना हर भारतीय का परम कर्तव्य है। सरकार को चाहिए कि कार्यालयीन कार्य में भी हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए सभी को प्रतिबद्ध करें।

आज हिंदी ने वैश्विक प्रसार एवं परिदृश्य में उच्च प्रौद्योगिकी एवं संचार माध्यमों की मदद से अनूठी पहचान बनाई भारत के साथ पूरे विश्व को जोड़ने में हिंदी भाषा एक कड़ी का कार्य कर रही है। यह भी कहा जा सकता है कि विश्व के पटल पर भारतीय संस्कृति की छाप छोड़ने में हिंदी भाषा का योगदान अद्वितीय है। एक दिन विश्व फलक पर हिंदी का परचम अवश्य लहरायेगा और हिंदी अपने गौरवमयी स्थान की अधिकारिणी होगी। हिंदी का भविष्य बहुत उज्ज्वल है क्योंकि वर्तमान चमक रहा है। अब वह दिन दूर नहीं लगता जब हिंदी विश्व की भाषा बन चहुंमुखी विकास करेगी।

बैंकों में ऋण निगरानी: एक आवश्यक मानक

राजेंद्र कुमार सैनी
मुख्य प्रबन्धक
अंचल कार्यालय, अजमेर

ऋण निगरानी बैंकिंग क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कार्य है, जो वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और बैंक के ऋण पोर्टफोलियो की सेहत सुनिश्चित करने में रीढ़ की हड्डी का काम करता है। यह उधारकर्ताओं की वित्तीय गतिविधियों को ट्रैक करने, संकट के शुरुआती संकेतों की पहचान करने, और जोखिमों को कम करने के लिए पूर्वव्यापी उपाय करने की एक प्रणालीगत प्रक्रिया है।

****बैंकों में ऋण निगरानी का महत्व**

1- जोखिम शमन- प्रभावी ऋण निगरानी शुरुआती चेतावनी संकेतों की पहचान करने में मदद करती है, जिससे बैंकों को उधारकर्ता की स्थिति बिगड़ने से पहले सुधारात्मक कार्य करने की अनुमति मिलती है। संभावित चूककर्ताओं का सक्रिय रूप से प्रबंधन करके, बैंक गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (NPAs) को काफी हद तक कम कर सकते हैं।

2- नियामक अनुपालन- नियामक निकाय बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए कठोर ऋण निगरानी को अनिवार्य करते हैं। इन विनियमों का पालन न केवल बैंकों को अनुपालन में रखता है बल्कि हितधारकों और ग्राहकों के बीच विश्वास को भी बढ़ावा देता है।

3- वित्तीय स्वास्थ्य- निरंतर ऋण निगरानी बैंक के समग्र वित्तीय स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करती है। यह सुनिश्चित करता है कि बैंक का ऋण पोर्टफोलियो गुणवत्ता पूर्ण बना रहे, जिससे सतत विकास और लाभप्रदता का समर्थन होता है।

4- ग्राहक संबंध प्रबंधन- नियमित निगरानी के माध्यम से, बैंक अपने ग्राहकों के साथ करीबी संबंध बनाए रख सकते हैं। यह बैंकों को अपने ग्राहकों की वित्तीय जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने और समय पर सहायता प्रदान करने की अनुमति देता है, जिससे ग्राहक संतुष्टि और सेवाओं में सुधार होता है।

**** कमजोर ऋण निगरानी के कारण**

1- अपर्याप्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (EWS)- कई बैंकों के पास मजबूत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली नहीं होती है जो उधारकर्ताओं के खातों में संभावित संकट संकेतों का पता लगा सके। एक प्रभावी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के बिना, बैंक शुरुआती चरणों में मुद्दों की पहचान करने में विफल हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप खाते उप-मानक श्रेणियों में फिसल सकते हैं।

2- डेटा प्रबंधन के मुद्दे- असंगत या खराब डेटा गुणवत्ता निगरानी प्रक्रिया को गंभीर रूप से बाधित कर सकती है। यदि निगरानी के लिए उपयोग किए जाने वाले डेटा में अशुद्धि या पुराना डेटा है, तो यह गलत निष्कर्षों और अप्रभावी हस्तक्षेपों का कारण बन सकता है।

3- विलंबित हस्तक्षेप- कुछ मामलों में, यहां तक कि जब प्रारंभिक चेतावनी संकेतों का पता चल जाता है, बैंक की प्रतिक्रिया धीमी हो सकती है। सुधारात्मक कार्रवाई में देरी उधारकर्ता की वित्तीय समस्याओं को बढ़ा सकती है, जिससे ऋण चूक हो सकती है।

4- समन्वय की कमी- अक्सर बैंक के विभिन्न विभागों जैसे ऋण, जोखिम प्रबंधन, और संग्रहण के बीच समन्वय की कमी होती है। इस असंगठित दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण जानकारी छूट सकती है या समय पर कार्य नहीं किया जा सकता है।

****मजबूत ऋण निगरानी के लाभ**

1- एनपीए में कमी- प्रभावी ऋण निगरानी मुद्दों की प्रारंभिक पहचान और समाधान में मदद करती है, जिससे एनपीए की घटनाओं में कमी आती है। यह न केवल बैंक की वित्तीय स्थिति को स्थिर करता है बल्कि इसकी प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को भी बढ़ाता है।

2-सुधारित जोखिम प्रबंधन- एक मजबूत निगरानी ढांचे के साथ, बैंक जोखिमों का बेहतर मूल्यांकन और प्रबंधन कर सकते हैं। इससे अधिक सूचित निर्णय लेने और दीर्घकालिक सफलता के लिए रणनीतिक योजना बनाने में मदद मिलती है।

3-बेहतर ग्राहक सेवा- ग्राहकों के वित्तीय स्वास्थ्य की बारीकी से निगरानी करके, बैंक समय पर सहायता और अनुकूलित समाधान प्रदान कर सकते हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण न केवल ग्राहकों को बनाए रखने में मदद करता है बल्कि वित्तीय उत्पादों के क्रॉस-सेलिंग और अपसेलिंग के अवसर भी खोलता है।

4-नियामक लाभ- मजबूत ऋण निगरानी प्रणाली वाले बैंक नियामक आवश्यकताओं का पालन करने के लिए बेहतर रूप से सुसज्जित होते हैं। इससे जुर्माना और प्रतिबंधों के जोखिम को कम किया जाता है, जिससे सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है।

5-संचालन दक्षता- एक अच्छी तरह से कार्यान्वित ऋण निगरानी प्रणाली प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करती है, मैन्युअल हस्तक्षेप को कम करती है, और त्रुटियों को कम करती है। इससे बैंकों के लिए अधिक परिचालन दक्षता और लागत बचत होती है।

6- प्रतिष्ठा प्रबंधन- एक स्वस्थ ऋण पोर्टफोलियो को लगातार बनाए रखना निवेशकों, ग्राहकों, और नियामक निकायों सहित हितधारकों के बीच बैंक की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है। एक मजबूत प्रतिष्ठा से बढ़े हुए व्यावसायिक अवसर और बाजार हिस्सेदारी में प्राप्त हो सकती है।

7- सुधारित ऋण पोर्टफोलियो- कठोर ऋण निगरानी के माध्यम से, बैंक एक उच्च गुणवत्ता वाले ऋण पोर्टफोलियो को बनाए रख सकते हैं। एक बेहतर ऋण पोर्टफोलियो न केवल लाभ को अधिकतम करता है बल्कि बैंक की समग्र वित्तीय स्थिरता और प्रदर्शन को भी बढ़ाता है।

****निष्कर्ष**

ऋण निगरानी बैंकिंग क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कार्य है, जो वित्तीय संस्थानों की स्थिरता और लाभप्रदता सुनिश्चित करता है। बेहतर प्रशिक्षण, उन्नत प्रौद्योगिकी, और बेहतर समन्वय में निवेश करके, बैंक जोखिमों को कम कर सकते हैं, ग्राहक संबंधों को बढ़ा सकते हैं, और नियामक मानकों का प्रभावी ढंग से पालन कर सकते हैं। अंततः, एक मजबूत ऋण निगरानी ढांचा न केवल एक नियामक आवश्यकता है बल्कि किसी भी बैंक के लिए दीर्घकालिक सफलता की एक रणनीतिक संपत्ति है।

बैंकिंग और साइबर सुरक्षा

विनित जैन
वरिष्ठ प्रबंधक
अंचल कार्यालय, अजमेर

आधुनिक युग में बैंकिंग उद्योग ने विश्वास को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी उन्नति का उपयोग किया है। डिजिटल संदेशापन, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, और इलेक्ट्रॉनिक वित्तीय लेनदेन जैसी सुविधाएं बैंकिंग सेवाओं को आसान और दक्ष बनाने के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि, इस तकनीकी प्रगति के साथ, साइबर अपराधों की भी दर बढ़ रही है। साइबर सुरक्षा के माध्यम से इस तकनीकी प्रगति को बचाने की आवश्यकता है। साइबर सुरक्षा बैंकिंग सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण अंग है। बैंकों में ग्राहकों के विश्वास को बनाए रखने के लिए सुरक्षा संज्ञानात्मक महत्वपूर्ण है। साइबर अपराधी नेटवर्कों के माध्यम से अप्रत्याशित लाभ लेने की कोशिश करते हैं, जिसमें व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी की चोरी, फिशिंग, और अनधिकृत लेनदेन शामिल हो सकते हैं।

बैंकों को साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में प्रोएक्टिव और रिएक्टिव उपाय अपनाने की आवश्यकता है। प्रोएक्टिव उपायों में सुरक्षित सॉफ़्टवेयर और हार्डवेयर का उपयोग, ग्राहकों की जागरूकता का बढ़ावा, और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण शामिल होता है। रिएक्टिव उपायों में संगठनों को विभिन्न साइबर अपराधों का सामना करने के लिए तैयारी करना, जाँच और अनुसंधान की प्रक्रिया, और अप्रत्याशित घटनाओं का संविधान है। साइबर सुरक्षा के लिए बैंकों की सकारात्मक पहलों में से एक है कि वे ग्राहकों को सुरक्षित और विश्वसनीय बैंकिंग अनुभव प्रदान करें। सुरक्षित डिजिटल संदेशापन, अद्यतन सुरक्षा पॉलिसीज़, और ग्राहकों के साथ सुरक्षा संबंधित जागरूकता उनकी सुरक्षा को बढ़ाते हैं और उनके विश्वास को बनाए रखने में मदद करते हैं।

इस प्रकार, साइबर सुरक्षा बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण एवं अपरिहार्य हिस्सा बन चुका है। बैंकों को नवीनत तकनीकी उपायों का उपयोग करके अपनी सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए निरंतर जागरूक रहना चाहिए। वे साइबर अपराधों को पहचानने, उनकी पहुंच को रोकने और उन्हें निष्प्राण करने के लिए नवाचारी तकनीकों का उपयोग करने के लिए तैयार रहने चाहिए। साइबर सुरक्षा के मामले में अत्यधिक सतर्कता और सहयोग के लिए एकत्रित होना बैंकों के लिए महत्वपूर्ण है। उत्तरदायित्वपूर्ण उदाहरण के रूप में, बैंकों को ग्राहकों को सुरक्षित रखने के लिए उच्च स्तरीय सुरक्षा सॉफ़्टवेयर, डेटा एनक्रिप्शन, और बायोमेट्रिक्स प्रमाणीकरण की तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। साथ ही, साइबर हानियों का निराकरण करने के लिए सुगम ग्राहक अनुभव को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से ग्राहकों को जागरूक करना और उन्हें साइबर सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बैंकिंग सेवाओं में साइबर सुरक्षा का महत्व और उसके अवसरों को समझने के लिए हमें विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों की समझ की आवश्यकता है, साथ ही उनकी रोकथाम के उपायों का भी पता होना चाहिए:-

1. फिशिंग (Phishing)- फिशिंग एक ऐसा अपराध है जिसमें अपराधी जाली ईमेल, संदेश या वेबसाइट के माध्यम से अवैध रूप से व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।

रोकथाम: फिशिंग के खिलाफ, बैंकों को ग्राहकों को जागरूक करना चाहिए कि वे केवल आधिकृत वेबसाइटों पर ही अपने निजी जानकारी को दर्ज करें। अत्यंत सावधानी बरतने के साथ-साथ, बैंकों को ग्राहकों को फिशिंग पर संवेदनशील करने के लिए जागरूक करने के लिए अपडेटेड सुरक्षा पॉलिसीज़ और तकनीकी उपायों का उपयोग करना चाहिए।

2. मैलवेयर (Malware)- मैलवेयर एक कंप्यूटर प्रोग्राम होता है जो उपयोगकर्ता के डेटा को चोरी करने, उसकी सुरक्षा को खतरे में डालने, या उसके सिस्टम को कंट्रोल करने के लिए डिज़ाइन किया गया होता है।
रोकथाम: मैलवेयर के खिलाफ, सुरक्षित इंटरनेट ब्राउज़िंग, अपडेटेड एंटीवायरस और फ़ायरवॉल का उपयोग करना चाहिए। साथ ही, साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण और ग्राहकों की जागरूकता भी महत्वपूर्ण है।

3. डेटा चोरी (Data Theft)- डेटा चोरी में, अपराधी बैंक खातों, क्रेडिट कार्ड जानकारी, या अन्य व्यक्तिगत जानकारी को अवैध रूप से प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।
रोकथाम: सख्त डेटा और क्रेडिट कार्ड सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए। उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित पासवर्ड उपयोग करने, डेटा क्रिप्ट करने, और नियमित अपडेट्स के साथ अद्यतन रखने का संदेश दे सकते हैं। इसके अलावा, बैंकों को ग्राहकों को अपनी निजी और वित्तीय जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए अपडेटेड सुरक्षा सॉफ़्टवेयर और डिजिटल सुरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए।

4. ऑनलाइन लाभ उठाने की धोखाधड़ी (Online Scams)- ऑनलाइन धोखाधड़ी में, अपराधी नकली बैंक वेबसाइट्स या ईमेल के माध्यम से ग्राहकों को धोखाधड़ी करते हैं, जिससे उनकी वित्तीय जानकारी चोरी होती है।
रोकथाम: ग्राहकों को चेतावनी देनी चाहिए कि वे केवल आधिकृत बैंक वेबसाइट्स पर ही लॉगिन करें और धोखाधड़ी के शिकार नहीं बनें। बैंकों को ग्राहकों को सुरक्षित ऑनलाइन लाभ का उपयोग करने के लिए जागरूक करने के लिए भी जागरूक होना चाहिए।

5. रैंसमवेयर (Ransomware)- रैंसमवेयर एक प्रकार का कंप्यूटर वायरस है जो उपयोगकर्ताओं के सिस्टम को लॉक कर देता है और उनसे रिलीज़ करने के लिए एक राशि की मांग करता है।
रोकथाम: रैंसमवेयर के खिलाफ, नियमित रूप से डेटा बैकअप करें, सुरक्षित इंटरनेट ब्राउज़िंग करें, और अद्यतन एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें।

6. फ्रॉड (Fraud)- ऑनलाइन फ्रॉड में, अपराधी व्यक्ति अनुपातिक या नकली लेनदेन करके अन्य व्यक्तियों को धोखा देता है।
रोकथाम: सुरक्षित लॉगिन प्रक्रिया और वित्तीय संकेत से धोखाधड़ी के खिलाफ बचाव करें, और अपडेटेड सुरक्षा सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें।

7. डेटा लीकेज़ (Data Breach)- डेटा लीकेज़ में, अपराधी व्यक्ति अपराधियों के लिए संवेदनशील जानकारी को अनधिकृत रूप से एक्सपोज़ करता है।
रोकथाम: सख्त डेटा सुरक्षा नीतियों का पालन करें, सुरक्षित नेटवर्क प्रोटोकॉल का उपयोग करें, और सुरक्षित डेटा संचार के लिए एन्क्रिप्शन का उपयोग करें।

8. सोशल इंजीनियरिंग (Social Engineering)- सोशल इंजीनियरिंग में, अपराधी व्यक्ति विश्वासघात करके अन्य व्यक्तियों से वित्तीय या व्यक्तिगत जानकारी को प्राप्त करता है।
रोकथाम: सक्षमता और ध्यान से व्यक्तिगत जानकारी को साझा करें, और अज्ञात या संदिग्ध स्रोतों से आने वाले संदेशों को नकारात्मक करें।

9. डिनायल ऑफ सर्विस (Denial of Service)- इसमें अपराधी व्यक्ति विश्वसनीय सेवा को बाधित करता है, जिससे उपयोगकर्ताओं को सेवा की पहुंच में परेशानी होती है।
रोकथाम: डिनायल ऑफ सर्विस हमलों के खिलाफ, विभिन्न सुरक्षा तंत्रों का उपयोग करें, जैसे कि डेटा फ़िल्टरिंग और ट्राफ़िक मॉनिटरिंग।

10. फाइल लॉकर (File Locker)- यह एक प्रकार का मैलवेयर है जो उपयोगकर्ता के फ़ाइलों को एक्सेस करने के लिए एक राशि की मांग करता है।
रोकथाम: सुरक्षित बैकअप के माध्यम से फ़ाइलों को सुरक्षित रखें, और अद्यतन एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें।

11. वेबसाइट की फ़र्ज़ीकरण (Website Spoofing)- अपराधी वेबसाइट को एक मान्य वेबसाइट के रूप में प्रकट करता है ताकि उपयोगकर्ताओं की जानकारी को चुरा सके।
रोकथाम: ग्राहकों को सत्यापित और सुरक्षित वेबसाइटों पर ही लॉगिन करने के लिए जानकारी दें, और अद्यतन सुरक्षा सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें।

12. विशेषज्ञता चोरी (Identity Theft)- इसमें अपराधी व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति की विशेषज्ञता का उपयोग करके उसकी पहचान चुरा लेता है और उसके नाम पर गलत गतिविधियां करता है।
रोकथाम: सुरक्षित पासवर्ड उपयोग करें, सक्षमता से अपनी व्यक्तिगत जानकारी को साझा करें, और अपडेटेड सुरक्षा सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें।

साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में नवाचारी तकनीकी उपायों का उपयोग करके, बैंकों को आगामी साइबर अपराधों के खिलाफ तैयार होने के लिए बेहतर स्थिति मिलेगी। इसके अलावा, सरकारी निकायों, गैर-लाभकारी संगठनों, और अन्य संगठनों के साथ साझा जानकारी और सहयोग के माध्यम से, बैंकों को साइबर सुरक्षा में आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

इस प्रकार, साइबर सुरक्षा बैंकों के लिए एक अभिन्न हिस्सा बन चुकी है, जो उन्हें ग्राहकों की निजी और वित्तीय जानकारी की सुरक्षा में सहायक बनाती है, और उनके विश्वास को बढ़ाती है।

“ज़िंदगी”

नेहा मंगलानी
वरिष्ठ प्रबन्धक
खिंवसर शाखा

जितनी बार ज़िंदगी... तूने मुझे दबाया है,
उतनी ही बार मैंने... खुदकों और मजबूत पाया है,
यही सोचती हूँ... की मेरी जगह कोई और होता,
तो कसम से... उगने के बजाय दफन गया होता ।

मुझको तूने गाड़ा है तो... पौधा बन कर निकलुंगी,
मैं कोई मोम नहीं... जो गरम होने से पिघलूंगी,
मैं वो लपट हूं... जो हवा से और बहकूंगी,
चाय का इक दाना हूं मैं... जो गरम पानी से महकूंगी।

ना समझ मुझे तू हताश... नहीं हूं मैं हारी,
इस बार ना सही... आएगी मेरी भी बारी,
सब से रेस नहीं मेरी... है मेरी अपनी तैयारी,
बगिया में, मैं ख़ुशबू फैलाती... गुलाब की वो क्यारी ।

बस अफ़सोस इतना है... के उम्मीदें थी मुझसे बहुत सारी,
उनको क्या बताऊँ क्या पड़ गया मेहनत और शिद्दत पे भारी,
पर वादा है दोष ना दूँगी तुझे... ना ही बनूँगी किस्मत की मारी,
जो है... जैसा है... मेरा हैं... लूँगी पूरी ज़िम्मेदारी।।

डिजिटल इंडिया

जितेंद्र कुमार कुंदरेशा
प्रबन्धक राजभाषा
अंचल कार्यालय, अजमेर

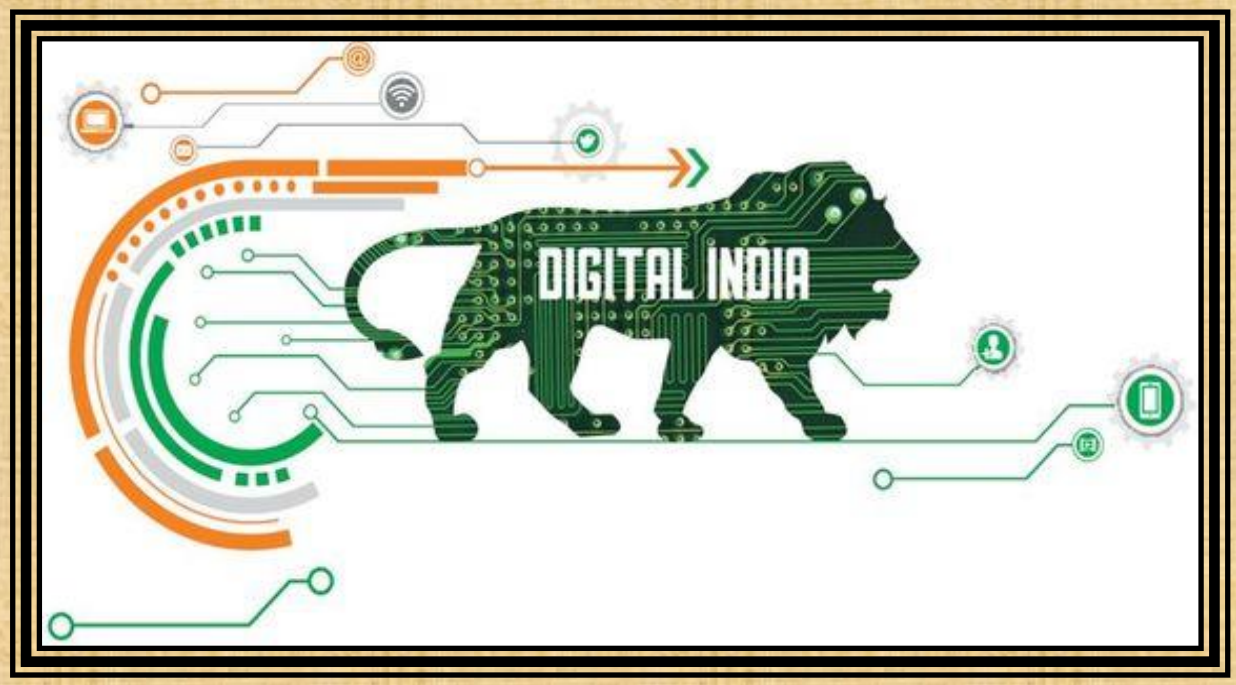

डिजिटल इंडिया: भारत एक उभरता हुआ देश

भारत सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया अभियान की शुरुआत 01 जुलाई 2015 को की गयी थी। इसका मूल उद्देश्य भारतीय नागरिकों को इंटरनेट और डिजिटल प्रौद्योगिकी के जारिए सरकारी सेवायों का लाभ पहुंचाना हैं। "डिजिटल इंडिया" के तहत बड़े ही उच्चतम स्तर की डिजिटल सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जैसे की जनधन योजना, आधार, पेंशन सेवाएं, बैंकिंग सेवाएं आदि। हालांकि भारत सॉफ्टवेयर की एक महाशक्ति के रूप में जाना जाता हैं, फिर भी नागरिकों के लिए ईलेक्ट्रोनिक सरकारी सेवाओं की उपलब्धता अभी भी अपेक्षाकृत कम हैं। सभी सेवाओं की आम जनता तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल इंडिया अभियान की आवश्यकता महसूस हुई। डिजिटल इंडिया देश को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी पहल है।

डिजिटल इंडिया पहल के उद्देश्य-

इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को सशक्त बनाने, प्रशासन में सुधार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी और डिजिटल कनेक्टिविटी की शक्ति का उपयोग करना है। डिजिटल इंडिया में अधिक समावेशी और कुशल समाज बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के व्यापक लक्ष्य के साथ बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल साक्षरता, ई-गवर्नेंस और डिजिटल उद्यमिता को बढ़ावा देने जैसे विभिन्न प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

इसके अलावा, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना डिजिटल इंडिया की सफलता का अभिन्न अंग है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर नेविगेट करने, ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने और डिजिटल सुरक्षा और गोपनीयता के निहितार्थ

को समझने के लिए आवश्यक कौशल के साथ नागरिकों को सशक्त बनाना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण है कि डिजिटलीकरण के लाभ सभी के लिए सुलभ हों। डिजिटल साक्षरता अभियान (दिशा) जैसी पहल के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य छात्रों, किसानों और छोटे व्यवसाय मालिकों सहित बड़ी संख्या में व्यक्तियों को डिजिटल साक्षरता प्रदान करना है, जिससे वे व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाने में सक्षम हो सकें।

डिजिटल इंडिया पहल के लाभ:

डिजिटल इंडिया पहल का प्रभाव शहरी केंद्रों से परे, ग्रामीण समुदायों तक पहुंच रहा है और नागरिकों को उनकी आजीविका में सुधार के लिए उपकरणों और संसाधनों के साथ सशक्त बना रहा है। कृषि विपणन के लिए ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरूआत ने किसानों को अपनी उपज के लिए व्यापक बाजार तक पहुंचने में सक्षम बनाया हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और बिचौलियों पर निर्भरता कम हुई है।

इसके अतिरिक्त, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) जैसी पहल ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बैंकिंग, बीमा और सरकारी पंजीकरण सहित कई डिजिटल सेवाओं को पहुंचाने, वित्तीय समावेशन और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, सरकारी प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही आई है, भ्रष्टाचार के अवसर कम हुए हैं और सार्वजनिक सेवा वितरण की दक्षता में वृद्धि हुई है। भारत की बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली, आधार जैसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने से कल्याणकारी लाभों और सब्सिडी के लक्षित वितरण को सक्षम किया गया है, रिसाव को समाप्त किया गया है और यह सुनिश्चित किया गया है कि इच्छित लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिले।

शिक्षा क्षेत्र में, डिजिटल प्रौद्योगिकियों के एकीकरण ने सीखने और ज्ञान के प्रसार में क्रांति ला दी है। SWAYAM (स्टडी वेब्स ऑफ एक्टिव लर्निंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स) और नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी जैसी पहलों की शुरूआत ने देश भर के छात्रों के लिए, उनकी भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना, गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक संसाधनों को सुलभ बना दिया है। इसने न केवल शिक्षा तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाया है बल्कि आजीवन सीखने और कौशल विकास को भी सुविधाजनक बनाया है।

डिजिटल इंडिया पहल में चुनौतियां:-

यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि हालांकि डिजिटल इंडिया पहल ने पर्याप्त प्रगति की है, लेकिन अभी भी चुनौतियों का समाधान किया जाना बाकी हैं। साइबर सुरक्षा, डिजिटल गोपनीयता और डेटा का नैतिक उपयोग महत्वपूर्ण चिंताएं हैं जिन पर नागरिकों के डिजिटल अधिकारों की सुरक्षा के लिए निरंतर ध्यान देने और मजबूत ढांचे की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करना कि डिजिटलीकरण के लाभ समाज के सभी वर्गों के लिए समान रूप से सुलभ हों, जिसमें हाशिए पर रहने वाले समुदाय और प्रौद्योगिकी तक सीमित पहुंच वाले व्यक्ति भी शामिल हैं, एक निरंतर प्राथमिकता बनी हुई है।

निष्कर्ष:-

अंत में, डिजिटल इंडिया देश के समग्र विकास के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी की शक्ति का उपयोग करने के लिए एक साहसिक और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। डिजिटल बुनियादी ढांचे, साक्षरता, ई-गवर्नेंस और डिजिटल उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करके, इस पहल ने एक अधिक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त समाज की नींव रखी है। जैसे-जैसे भारत डिजिटल भविष्य की ओर अपनी यात्रा जारी रख रहा है, यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निवेश, नवाचार और समावेशी नीतियां आवश्यक होंगी कि डिजिटल इंडिया का वादा हर नागरिक तक पहुंचे, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सामाजिक-आर्थिक विकास और सशक्तिकरण हो।

"भ्रष्टाचार को ना कहो,
राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध हो"

इरशाद अहमद
विधि अधिकारी
अंचल कार्यालय, अजमेर

भारत, आज एक ऐतिहासिक गति से बढ़ रहा है और विश्व में अपना परचम लहरा रहा है। हरित क्रांति से लेकर चंद्रमा पर चंद्रयान के उतरने तक, हम एक राष्ट्र के रूप में एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। लेकिन जैसे-जैसे राष्ट्र बढ़ता है और महाशक्ति बनने की दिशा में प्रयास करता है, उसे अपने रास्ते में बहुत सारी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। ऐसी गंभीर चुनौतियों में से एक भ्रष्टाचार का खतरा है।

आधुनिक समय में, भ्रष्टाचार केवल रिश्वत देने और लेने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह कई मायनों में विकसित भी हुआ है। आज, भ्रष्टाचार के कई रूप हैं जैसे कि क्रिड प्रो क्को, नेपोटिज्म, पक्षपात आदि। अगर भाई-भतीजावाद और क्रिड प्रो को के भ्रष्ट अभ्यास के कारण, गलत व्यक्ति सेवा में प्रवेश करता है, तो यह न केवल एक परिवार को प्रभावित करता है, बल्कि यह पूरे राष्ट्र के विकास की गति को बाधित करता है।

भाई-भतीजावाद के भ्रष्ट अभ्यास का प्रभाव है। उसी तरह, अगर किसी व्यक्ति को मेधावी उम्मीदवारों के ज्यादा तरजीह इसलिए दी जाती है कि वह अधिकारियों का चहेता है, तो क्या हम संगठन के फायदे के लिए उसके कार्य में सचमुच समर्पण कर्तव्यनिष्ठा पा सकते हैं ? इस पक्षपात का नुकसान भ्रष्टाचार का कारण बन सकता है। यदि हम अपने विकास में भ्रष्टाचार से उत्पन्न चुनौतियों पर काबू पाना चाहते हैं तो हमें इन प्रथाओं को रोकने की आवश्यकता हैं। लेकिन उसके लिए कठोर कानून बनाना या पारदर्शी नियम बनाना पर्याप्त ही नहीं है। वास्तविक जिम्मेदारी इस देश के नागरिकों के कंधों पर है। हमें जिम्मेदार नागरिकों के रूप में अपना हाथ उठाने और यह कहने की जरूरत है कि हम न तो इस तरह के अभ्यास का समर्थन करेंगे और न ही हम अपने राष्ट्र के साथ इस तरह के विश्वासघात को बर्दाश्त करेंगे।

हम भारत के लोगों को अपने कर्तव्य को समझने और किसी भी रूप में भ्रष्टाचार को ना कहने की जरूरत है। हमें खुद यह प्रतिज्ञा लेने की आवश्यकता है कि हम ईमानदारी को अपने दैनिक जीवन का एक आवश्यक अंग बनाएंगे।

एक परिचय

** महाकवि कन्हैयालाल सेठिया **

महाकवि कन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी भाषा के प्रसिद्ध कवि थे। उन्हें 2004 में पद्मश्री, साहित्य अकादमी पुरस्कार तथा 1988 में ज्ञानपीठ के मूर्तिदेवी साहित्य पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। उन्हें स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अपनी राष्ट्रवादी काव्य के लिए युग-चारण की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है।

कन्हैयालाल सेठिया का जन्म राजस्थान के चूरु जिले के सुजानगढ़ शहर में हुआ। प्रसिद्ध राजस्थानी गीत "आ तो सुरगा नै सरमावै, ई पै देव रमण नै आवे" इन्हीं की रचना है।

महामनीषी पद्मश्री कन्हैयालाल सेठिया का संक्षिप्त जीवन वृत्त इस प्रकार है :--

- जन्म : 11 सितम्बर 1919 ई॰ को सुजानगढ़ (राजस्थान) में हुआ था ।
- माता- पिता : स्वर्गीय मनोहरी देवी एवं स्वर्गीय छगनमलजी सेठिया ।
- विवाह : 1937 ई॰ में श्रीमती धापू देवी के साथ।
- सन्तान : दो पुत्र - जयप्रकाश एवं विनयप्रकाश तथा एक पुत्री श्रीमती सम्पत देवी दूगड़।
- अध्ययन : स्नातक
- निधन : 11 नवम्बर 2008

-- राजस्थानी के भीष्म पितामह --

कन्हैयालाल सेठिया राजस्थानी भाषा के महान रचनाकार होने के साथ-साथ वो एक स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता, समाज सुधारक, परोपकारी और पर्यावरणविद भी थे। "धरती धोरा री" और "पाथल और पीथल" इनकी लोकप्रिय रचनाएं थी। सुजानगढ़ के चुरू में जन्मे सेठिया गांधीजी से बड़े प्रभावित थे। उन्ही के प्रभाव से खादी के कपड़ों का प्रयोग करना, दलित उद्धार कार्य करना तथा राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत रचनाएं लिखा करते थे। इन्होने अपनी रचना अग्निवीणा में अंग्रेजी हुकूमत को ललकारा था, जिसके कारण उन पर राजद्रोह का केस लगा तथा इन्हें जेल भी जाना पड़ा। ये बीकानेर प्रजामंडल के सदस्य भी रहे तथा भारत छोड़ों आंदोलन के दौरान कराची (वर्तमान में पाकिस्तान में) में इन्होने जनसभाएं कर लोगों को जागृत करने की दिशा में कार्य किया। राजस्थानी कविता के सम्राट सेठिया को मृत्युप्रांत 31 मार्च 2012 को "राजस्थान रत्न" सम्मान देने की घोषणा की गई।

धरती धोराँ री.....,

आ तो सुरगां नै सरमावै,

ईं पर देव रमण नै आवै,

ईं रो जस नर नारी गावै,

धरती धोराँ री, धरती धोराँ री...

श्री सेठिया जी का यह अमर गीत देश के कण-कण में गूंजने लगा, हर सभागार में धूम मचाने लगा, घर-घर में गाये जाने लगा। स्कूल-कॉलेजों के पाठ्यक्रमों में इनके लिखे गीत पढ़ाये जाने लगे, जिसने पढ़ा वह दंग रह गया, उन साहित्यकारो की सोच को तार-तार कर के रख दिया, जो यह मानते थे कि कन्हैयालाल सेठिया सिर्फ राजस्थानी कवि हैं। इनके प्रकाशित काव्य संग्रह ने यह साबित कर दिखाया कि सेठिया जी सिर्फ राजस्थान के ही नहीं पूरे देश के कवि हैं।

कुण जमीन रो धणी ?, हाड़ मांस चाम गाळ,
खेत में पसेव सींच,
लू लपट ठंड मेंह, सै सवै दांत भींच,
फ़ाड़ चौक कर करै, करै जोतणीर बोवणी,
कवि अपने आप से पुछते है - 'बो जमीन रो धनीक ओ जमीन रो धणी'

****ईश्वर संदेश कवि की कलम से****

आकाश का मौन ही ध्वनि है,

ध्वनि की गति ही शब्द है,

शब्द की रति ही स्वर है,

स्वर की यति ही भास्वर है,

भास्वर की प्रतीति ही ईश्वर है !,

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित बैंकिंग-शब्दावली

क्र. सं.	शब्द	अर्थ
1.	Absolute conviction	पूर्ण धारणा/विश्वास
2.	External audit	बाह्य लेखा परीक्षा
3.	Credit rating	शाखा श्रेणी निर्धारण
4.	Absolute monopoly	पूर्ण/निरपेक्ष एकाधिकार
5.	Defalcation	गबन
6.	Fiat money	वैध मुद्रा
7.	Fictitious accounts	अवास्तविक लेखे
8.	Absolute power	पूर्ण शक्ति
9.	Financial crisis	वित्तीय संकट
10.	Potential buyer	संभाव्य क्रेता
11.	Upfront charges	प्रारम्भिक प्रभार
12.	Write off	बट्टे लिखना
13.	Pecuniary liability	धन देयता
14.	Absorbed capital	आमेंलित पूंजी
15.	Manipulation of accounts	खातों में हेर फेर करना

यूको बैंक
UCO BANK

राजभाषा नीति संबंधी महत्वपूर्ण निर्देशः संक्षेप में

- राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेज द्विभाषी रूप में हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए जाएँ किसी प्रकार के उल्लंघन के लिए इन पर हस्ताक्षर करने वाला अधिकारी उत्तरदायी होगा। राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के दस्तावेजों के संबंध में यह ध्यान रहे कि उनका हिंदी रूपांतर अंग्रेजी रूपांतरण से ऊपर / से पहले रहे ।
- केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों और उनके अंतर्गत / संबद्ध कार्यालयों/निगमों / उपक्रमों/ बैंकों आदि में भी पदोन्नति परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध कराया जाए, उन्हें हिंदी में उत्तर देने की छूट दी जाए और साक्षात्कार के मामले में प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने का भी विकल्प दिया जाए।
- वैज्ञानिक तकनीकी संगोष्ठियों तथा परिचर्चाओं आदि में वैज्ञानिकों आदि को राजभाषा हिंदी में शोध पत्र पढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए।
- 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों में सभी प्रकार का प्रशिक्षण सामान्यतः हिंदी माध्यम से होना चाहिए और 'ग' क्षेत्र में प्रशिक्षण सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार हो तथा माँग के अनुसार हिंदी या अंग्रेजी में उपलब्ध कराई जाए।
- अंतर्राष्ट्रीय संधियों और करारों को अनिवार्यतः हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किया जाए तथा विदेशों में की जाने वाली संधियों या करारों के हिंदी अनुवाद तैयार करके उन्हें रिकॉर्ड हेतु फाइलों में रखा जाए।
- राजभाषा नियम 1976 के नियम 10 (4) के अंतर्गत अधिसूचित बैंकों की शाखाओं में माँग- ड्राफ्ट, भुगतान आदेश, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सभी प्रकार की सूचियां विवरणियाँ, सावधि जमा रसीदें चैक बुक संबंधी पत्र आदि, दैनिक बही, मस्टर प्रेषण बही, पासबुक, लॉग बुक में प्रविष्टियाँ, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र, सुरक्षा एवं ग्राहक सेवा संबंधी कार्य, नए खाते खोलना, लिफाफों पर पते लिखना, कर्मचारियों के यात्रा भत्ते, अवकाश, भविष्य निधि, आवास निर्माण अग्रिम, चिकित्सा संबंधी कार्य, बैठक की कार्यसूची. कार्यवृत्त आदि हिंदी में किए जाए।
- लेखन सामग्री, नाम-पट्ट, सूचना पट्ट प्रक्रिया संबंधी साहित्य, रबड़ की मोहर, निमंत्रण पत्र, आदि अनिवार्य रूप से हिंदी और अंग्रेजी में बनवाएँ जाएँ।
- असांविधिक प्रक्रिया साहित्य जैसे नियम, कोड, मैनुअल, मानक फार्म आदि का अनुवाद कराने के लिए केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो को भेजा जाए।
- राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से जुड़े सभी अधिकारियों कर्मचारियों को केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो में अनुवाद प्रशिक्षण हेतु नामित किया जाए।
- मंत्रालयों/विभागों / कार्यालयों/ उपक्रमों आदि के वरिष्ठ अधिकारियों का संवैधानिक दायित्व है कि वे अपने सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करें ताकि उनके अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों को इससे हिंदी में कार्य करने की प्रेरणा मिले।
- मंत्रालयों/विभागों/ कार्यालयों आदि द्वारा हिंदी की प्रोत्साहन योजनाओं का अपने अधीनस्थ कार्यालयों में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए।
- प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के बाद 30 दिन के भीतर तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन उपलब्ध करा दी जाए।
- सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा को मात्र राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों तक ही सीमित ना रखा जाए। मंत्रालयों विभागों कार्यालयों के प्रशासनिक प्रधानों द्वारा ली जाने वाली प्रत्येक बैठक में इस पर नियमित रूप से चर्चा की जाए और इसे कार्यसूची की एक स्थाई मद के रूप में शामिल किया जाए।

- कार्यालय में आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं की न्यूनतम अवधि एक कार्य दिवस हो तथा कार्यशाला में न्यूनतम दो तिहाई समय अभ्यास कार्य में लगाया जाए।
- प्रशिक्षण और कार्यशालाओं सहित राजभाषा हिंदी संबंधी कार्य देखने वाले अधिकारी अथवा कर्मचारी को कार्यालय में बैठने के लिए अच्छा व समुचित स्थान तथा आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।
- राजभाषा विभाग के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मंत्रालय / विभाग / कार्यालय आदि नियमित रूप से अपने कर्मचारियों को नामित करें तथा उन्हें ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम गंभीरता से प्राप्त करने के निर्देश दें तथा प्रशिक्षण छोड़ने वालों के मामलों को कड़ाई से निपटा जाए।
- हिंदी में प्रशिक्षण के लिए नामित अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए लीला हिंदी प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञ आदि सॉफ्टवेयरों के उपयोग के लिए कम्प्यूटर पर सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएँ।
- सभी कार्यालय हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को प्रोत्साहित करने तथा अपने विषयों से संबंधित शब्द भंडार को समृद्ध करने के लिए आवश्यक कदम उठाएँ ।
- केंद्रीय सेवाओं के सभी प्रशिक्षण संस्थान राजभाषा हिंदी में अपनी प्रशिक्षण व्यवस्था लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी की व्यवस्था के स्तर पर आयोजित करें तथा उनमें मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर लैपटॉप आदि के माध्यमों का भी इस्तेमाल किया जाए।
- मंत्रालयों/विभागों / कार्यालयों / संस्थान आदि द्वारा प्रकाशित की जाने वाली हिंदी पत्रिकाओं में उनके कार्यालयों के सामान्य कार्यों तथा राजभाषा से संबंधित मौलिक लेख प्रकाशित किए जाएँ।
- कार्यालय के प्रमुखों को हिंदी में कामकाज करने के मामले में पहल करनी चाहिए।
- हिंदी कार्यशाला में हिंदी लेखन अभ्यास पर बल दिया जाए तथा यूनिकोड इनकोडिंग, ईमेल डिक्टेशन का उपयोग करना भी सिखाया जाए। हिंदी कार्यशाला में मुख्य रूप से सरकारी काम हिंदी में किए जाने का अभ्यास करवाया जाना चाहिए तथा यह अभ्यास संबंधित कार्मिकों के रोजमर्रा के कार्य से संबंधित होना चाहिए।
- केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए हिंदी पदों का मानक राजभाषा विभाग द्वारा संचालित किया जाता है और यह मानक मंत्रालयों/ विभागों और संबद्ध अधीनस्थ कार्यालयों के साथ साथ सभी स्वायत्त निकायों पर भी लागू होता है।
- इसके अतिरिक्त राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी भाषा का प्रशिक्षण ऑनलाइन दिए जाने की भी सुविधा उपलब्ध है।
- कार्यालयों तथा संगठनों की अपनी वेबसाइट संपूर्ण रूप से हिंदी में विकसित हो।
- हिंदीत्तर राज्यों में बोर्ड, साइनबोर्ड, नामपट्ट तथा दिशा संकेतकों के लिए क्रमशः क्षेत्रीय भाषा, हिंदी तथा अँग्रेजी का प्रयोग किया जाए।
- किसी भी कोड / मैनुअल और फॉर्म आदि को तभी मुद्रित करवाया जाए जब वह द्विभाषी रूप तैयार हो ।
- राजभाषा विभाग द्वारा कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कार्मिकों सहित जनसाधारण को हिंदी सिखाने के लिए 'लीला' हिंदी प्रवाह' नामक पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम में 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से वेब वर्जन और मोबाइल एप दोनों के रूप में उपलब्ध है।
- राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी-अंग्रेजी तथा अँग्रेजी-हिंदी अनुवाद को डाटाबेस में याद रखने के लिए वेब बेस अनुवाद प्रणाली (कंठस्थ-राजभाषा) का विकास किया गया है। राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर यह प्रणाली उपलब्ध है।

स्रोत: इंटरनेट

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2024-25 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1. क क्षेत्र से क क्षेत्र को **100%** 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को **100%** 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को **65%** 4. क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र **100%** के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/ व्यक्ति	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को **90%** 2 ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को **90%** 3 ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को **55%** 4.ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र **90%** के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को **55%** 2 ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को **55%** 3 ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को **55%** 4. ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र **55%** के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुलअनुदान में से डिजिटल सामग्री अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	50%	50%	50%
10.	हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में काम करने की सुविधायुक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जिनमें कंप्यूटर भी शामिल है, की खरीद	100%	100%	100%

11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्ड आदि द्विभाषी रूप में प्रदर्शित किए जाएं ।	100%	100%	100%
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण	
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति		वर्ष में 2 बैठकें	
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 2बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक)	
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)	
15.	कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%	100%	100%
16.	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/ उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हों ।	40%	30%	20%
			(न्यूनतम अनुभाग)	
			सार्वजनिक क्षेत्र के उन उपक्रमों/निगमों आदि, जहां अनुभाग जैसी कोई अवधारणा नहीं है, "क" क्षेत्र में कुल कार्य का 40%, "ख" क्षेत्र में 25% और "ग" क्षेत्र में 15% कार्य हिंदी में किया जाए ।	

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली शाखाएं वर्ष 2023-24

चालू जमाएं

1	पुरानी मंडी
2	बिदियाद
3	बाराँ

गृह ऋण

1	कोटा मुख्य
2	विज्ञान नगर कोटा
3	अंबामाता उदयपुर

बचत जमाएं

1	एमबीएस कोटा
2	अंता
3	गछीपुरा

एमएसएमई ऋण

1	किशनगढ़ मुख्य
2	भीलवाडा मुख्य
3	आई.ए.भीलवाड़ा

कुल अग्रिम/ऋण

1	भीलवाडा मुख्य
2	आई.ए. भीलवाड़ा
3	विज्ञान नगर कोटा

बैंकऐश्योरेंस

1	बनस्थली विद्यापीठ
2	बोरावर
3	थाँवला

लक्ष्य प्राप्ति (वर्ष 2023-24)

बचत जमाएं

1	बड़गाव
2	माकड़वाली
3	ओड़ीत

एमएसएमई क्षेत्र

1	आई.ए. भीलवाड़ा
2	पुरानी मंडी
3	अंबामाता उदयपुर

चालू जमाएं

1	बनस्थली विद्यापीठ
2	पुष्कर
3	हरसौर

डिजिटल उत्पाद- साउंड बॉक्स

1	मेड़ता सिटी
2	सादड़ी
3	पुरानी मंडी

रिटेल लक्ष्य

1	विज्ञाननगर कोटा
2	बिजयनगर
3	थाँवला

डिजिटल – मोबाइल बैंकिंग

1	टोंक
2	कुचामन सिटी
3	बिजोलिया

कृषि क्षेत्र

1	बोरावर
2	माकड़वाली
3	सुमेरपुर

डिजिटल उत्पाद – QR कोड़

1	मेड़ता सिटी
2	हिरणमगरी से-4
3	उदयपुर मुख्य

एपीवाई

1	खिंवसर
2	हरसौर
3	रेण

वसूली- NDND

1	बोटुंडा
2	पांचवा
3	लाड़नू

पीएमएसबीवाई

1	डिडवाना
2	खिंवसर
3	नाड़ोल

अधिकतम गृह ऋण स्वीकृत

1	कोटा मुख्य
2	आई.ए. भीलवाड़ा

शून्य दिवस में लेखा परीक्षा की समाप्ति

पीएमजेबीवाई

1	खिंवसर
2	लाड़नू
3	नाड़ोल

वसूली- कैश + अपग्रेड

1	भीलवाडा मुख्य
2	कोटा मुख्य
3	सादड़ी

1.	केन्द्रीय विद्यालय कोटा
2.	डांगावास
3.	माकड़वाली
4.	झालावाड़
5.	एमबीएस कोटा
6.	मुंडवा-मारवाड़
7.	ओड़ीत
8.	बिजोलिया
9.	कोटड़ा अजमेर
10.	श्रीनाथपुरम

यूको राजभाषा प्रतिज्ञा

"हम, यूको बैंक के स्टाफ-सदस्य, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि
हम भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन हेतु निरंतर कार्य करेंगे।
हम अपने बैंक में राजभाषा कार्यान्वयन में गति लाने एवं
उसकी स्थिति को उन्नत करने के प्रति सदैव सजग रहेंगे।
हम अपने सामूहिक प्रयास से राजभाषा के क्षेत्र में अपने बैंक को गौरवशाली बनाएंगे।
हम स्वयं राजभाषा में दृढ़तापूर्वक कार्य करेंगे एवं दूसरों को भी प्रेरित करेंगे।

हम यह प्रतिज्ञा भी करते हैं कि हम राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम के उपबंधों
एवं वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करके

**राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी
यूको बैंक को सर्वोत्कृष्ट श्रेणी का बैंक बनाएंगे।"**

यूको बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)

UCO BANK
(A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का — Honours Your Trust